सफलता की कहानी

रसिक नगर, पूर्वी सिंघभूम के राकेश महान्ती का कौशल प्रशिक्षण से मिलो कैरियर की नई दिशा

हमारे जीवन में किसी अनुभवी व्यक्ति, अच्छे मित्र, सफल व्यक्तित्व या बड़े बुजुर्ग का मार्गदर्शन काफी महत्व रखता है। ससमय और उचित मार्गदर्शन से हम छात्र जीवन में बेहतर शिक्षा एवं युवा अवस्था में अच्छा कैरियर विकल्प को चुन कर अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। साथ ही सर्वोत्तम मार्गदर्शन इंसान को उसकी महत्वाकांक्षाएँ पूरी करने और मंजिलों को प्राप्त करने में भी सहायक होती है। ऐसी ही एक कहानी है कौशल विकास कार्यक्रम के उत्प्रेरकों द्वारा झारखण्ड में चलाई जा रही जागरूकता कार्यक्रम से मार्गदर्शन प्राप्त कर एक अच्छा जीवन जी रहे युवक राकेश मोहन्ती की।

रसिक नगर, पूर्वी सिंहभूम निवासी राकेश महान्ती अपनी पढ़ाई में शुरूआत से ही अव्वल था। राकेश के माता पिता अत्यधिक सम्पन्न तो नहीं थे किन्तु उन्होंने पढ़ाई–लिखाई में रूचि लेने वाले राकेश का हमेशा साथ दिया। मेहनतकश पिता धीरेन महान्ती, बोराम, पूर्वी सिंघभूम स्थित मिठाई की दुकान पर काम करके पूरे परिवार का भरण–पोषण करते थे। एक अच्छा मिठाई कारीगर होने के कारण दुकान में उनकी अच्छी पहचान भी थी। अपनी छोटी कमाई के सहारे ही उन्होंने राकेश की मैट्रिक और इंटर तक की पढ़ाई पूरी कराई। इंटर करने के बाद गणित में रूचि लेने वाले राकेश ने स्नातक कक्षा में गणित विषय के साथ नामांकन भी ले लिया। यहाँ तक तो सब कुछ ठीक–ठाक था लेकिन कॉलेज की पढ़ाई में राकेश के पिता की आमदनी कम पड़ने लगी। ऐसे में उन्होंने मिठाई दुकानदार मालिक से बात कर राकेश को भी दुकान पर बुलवा लिया। अब पिता पुत्र एक ही दुकान पर काम करने लगे। थोड़े से ही पैसा जमा होते ही राकेश के पिता ने उसे फिर से पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। राकेश ने भी पिता के सहयोग और दृढ़ इच्छा शक्ति से काम के साथ–साथ अपनी तीन वर्षीय स्नातक की पढ़ाई पूरी कर ली। इसके बाद का सफर और भी अधिक चुनौतिपूर्ण था क्यूँकि गणित स्नातक होने के बावजूद भी राकेश को कोई नौकरी नहीं मिली। इसी बीच एक दिन झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी के प्रशिक्षण सेवा प्रदाता संस्था Amigos Solutions Pvt. Ltd. के उत्प्रेरकों ने उसके दुकान के आस–पास के युवकों के साथ कौशल प्रशिक्षण के लिए सम्पर्क स्थापित किया। यह जानकारी राकेश तक भी पहुँची और उसने प्रशिक्षण के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त की। रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण की जानकारी पाकर राकेश के पिता भी काफी खुश हुए और उन्होंने इसकी अनुमति दे दी। कौशल उत्प्रेरकों के मार्गदर्शन से प्रेरित होकर राकेश ने मानगो स्थित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र में रहकर तीन माह का आवासीय मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव का प्रशिक्षण पूर्ण किया।

प्रशिक्षण पूर्ण होते ही केंद्र में ही आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट काय्रक्रम में राकेश का चयन जाने माने प्रतिष्ठित संस्थान में मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव के पद पर रू0 25,000/– (पच्चीस हजार रूपये) के वेतनमान पर हो गया। राकेश विगत 1 वर्ष से अधिक समय से इस कम्पनी में अपनी सेवा दे रहें हैं। विगत एक वर्ष में राकेश के परिवार का आर्थिक परिदृश्य पूर्णतः बदल चुका है। राकेश ने अपनी कमाई से पिता श्री धीरेन महान्ती के लिए अपने गाँव के ही पास मिठाई की दुकान खोल दी है।

इस तरह राकेश ने अपनी मेहनत और सूझ–बूझ से उचित समय पर उचित निर्णय लेने वाले युवक के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से राकेश को उनके उज्जवल भविष्य के लिए अन्नंत शुभकामनाएँ।

****